प्र. ७. **निम्नलिखित विषयों में से किसी <u>एक</u> विषय पर लगभग २०० शब्दों में निबंध लिखिए :** [१०]

(१) दूरदर्शन का महत्त्व।

(२) यदि मैं शिक्षा मंत्री होता।

(३) पर्यावरण और प्रदूषण।

(४) पेड़ की आत्मकथा।

(५) मन के हारे हार, मन के ....।

प्र. ८. (अ) निम्नलिखित गद्य खंड को ध्यान से पढ़िए और उस पर आकलन हेतु पाँच ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर मात्र एक-एक वाक्य में हों : [१०] (५)

ईर्ष्या का संबंध प्रतिद्वंद्विता से होता है, क्योंकि भिखमंगा करोड़पति से ईर्ष्या नहीं करता। यह एक ऐसी बात है जो ईर्ष्या के पक्ष में भी पड़ सकती है, क्योंकि प्रतिद्वंद्विता से भी मनुष्य का विकास होता है। किंतु, अगर आप संसार-व्यापी सुयश चाहते हैं, तो आप रसेल के मतानुसार, शायद, नेपोलियन से स्पर्धा करेंगे। मगर, याद रखिए कि नेपोलियन भी सीजर से स्पर्धा करता था और सीजर सिकंदर से तथा सिकंदर हरकूलस से, जिस हरकूलस के बारे में इतिहासकारों का यह मत है कि वह कभी पैदा ही नहीं हुआ।

ईर्ष्या का एक पक्ष, सचमुच ही लाभदायक हो सकता है, जिसके अधीन हर आदमी, हर जाति और हर दल अपने को प्रतिद्वंद्वी का समकक्ष बनाना चाहता है; किंतु, यह तभी संभव है, जब कि ईर्ष्या से जो प्रेरणा आती हो, वह रचनात्मक हो। अक्सर तो ऐसा ही होता है कि ईर्ष्यालु व्यक्ति यह महसूस करता है कि कोई चीज है, जो उसके भीतर नहीं है; कोई वस्तु है, जो दूसरों के पास है; किंतु, वह यह नहीं समझ पाता कि इस वस्तु को प्राप्त कैसे करना चाहिए, और गुस्से में आकर वह अपने किसी पड़ोसी, मित्र या समकालीन व्यक्ति को अपने से श्रेष्ठ मानकर उससे जलने लगता है। जब कि वे लोग भी अपने-आपसे, शायद, वैसे ही असंतुष्ट हों।

अथवा

उपर्युक्त गद्यखंड का एक तिहाई (१/३) शब्दों में सार लिखिए।